नया सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम. ए. (पूर्वार्द्ध) : समाजशास्त्र
सेमेस्टर- I

केवल नियमित विद्यार्थियों हेतु :

शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा

(पाठ्यक्रम का हिन्दी अनुवाद)

इकाई-1 (अ) समाजशास्त्र के उद्‌भव की ऐतिहासिक सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि। ए. कॉम्टे- विज्ञानो का संस्तरण। (ब) सामाजिक विचारधारा के विकास का संक्षिप्त इतिहास (पुनर्जागरण- उसका प्रभाव)। औद्योगिक क्रान्ति।

इकाई-2 **कार्ल मार्क्स-** मार्क्स का सामाजिक परिवर्तन का सिद्धान्त। परिवर्तन एवं उसके नियमों के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य के रूप में मार्क्स का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद। इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या- मानव समाज के विकास के विभिन्न स्तरों के रूप में। आर्थिक निर्धारणवाद।

इकाई-3 **इमाइल दुर्खीम-** बौद्धिक पृष्ठभूमि। औद्योगिक क्रान्ति के पैतृक रूप में सामाजिक विघटन यांत्रिक एवं सावयवी एकता (सुदृढ़ता)। श्रम विभाजन की विकास-प्रक्रिया की व्याख्या, श्रम विभाजन के व्याधिकीय रूप।

इकाई-4 **मैक्स वेबर-** बौद्धिक पृष्ठभूमि। आधुनिक पूँजीवाद का विश्लेषण। सत्ता का सिद्धान्त- सत्ता एवं शक्ति- सत्ता के प्रकार और वास्तविक आधार। सामाजिक परिवर्तन में वैचारिक मूल्यों की भूमिका पर विचार- प्रोटेस्टेण्ट आचार एवं पूँजीवाद के प्रादुर्भाव के बीच अन्तर्सम्बन्धों के सन्दर्भ में।

इकाई-5 **थार्सटीन वेब्लेन-** आकर्षक उपभोग का सिद्धान्त। विलासी वर्ग का सिद्धान्त। सामाजिक परिवर्तन का सिद्धान्त।

नया सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम. ए. पूर्वार्द्ध : समाजशास्त्र

सेमेस्टर- I

(केवल नियमित विद्यार्थियों हेतु)

सामाजिक अनुसंधान का पद्धतिशास्त्र

(पाठ्यक्रम का हिन्दी अनुवाद)

इकाई-1

पद्धति एवं पद्धतिशास्त्र की अवधारणा, अनुसंधान की तकनीक (प्रविधि)। सामाजिक अनुसंधान का अर्थ एवं प्रकृति।

इकाई-2

सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक पद्धति। सामाजिक अनुसंधान के प्रकार। अनुसंधान (शोध) अभिकल्प। सामाजिक अनुसंधान के प्रारम्भिक चरण।

इकाई-3

सामाजिक यथार्थता (वास्तविकता) की प्रकृति और उसके उपागम। समाजशास्त्रीय सिद्धान्त में पद्धतिशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य। सामाजिक अनुसंधान में अन्वेषण के तर्क।

इकाई-4

आगमन एवं निगमन। सिद्धान्त निर्माण। वस्तुनिष्ठता- मूल्य एवं तटस्थता। सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व।

इकाई-5

परिमाणात्मक अनुसंधान (शोध) प्रविधियाँ : गुणात्मक अनुसंधान (शोध) की प्रविधियाँ एवं पद्धतियाँ। सहभागी अवलोकन। नृजाति विज्ञान। साक्षात्कार।

नया सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम. ए. (पूर्वार्द्ध) : समाजशास्त्र

सेमेस्टर- I

भारत में ग्रामीण समाज

(पाठ्यक्रम का हिन्दी अनुवाद)

केवल नियमित विद्यार्थियों हेतु-

इकाई-1

ग्रामीण समाज- अर्थ, परिभाषाएँ, विशेषताएँ। कृषक, खेतिहर एवं लोक समाज : अवधारणा तथा विशेषताएँ। ग्राम : अवधारणा, प्रकार; ग्रामीण-नगरीय अन्तर और सातत्य (निरन्तरण)।

इकाई-2

ग्रामीण सामाजिक संस्था : परिवार, धर्म, विवाह, जाति व्यवस्था एवं इनमें आ रहे परिवर्तन।

इकाई-3

ग्रामीण भारत में कृषक सम्बन्ध : भूमि-स्वामित्व और इसके प्रकार; भूमि एवं श्रम। ग्रामीण वर्ग संरचना, जजमानी व्यवस्था। भारत में कृषक आन्दोलन।

इकाई-4

ग्रामीण राजनीतिक जीवन : ग्रामीण अभिजात वर्ग एवं नेतृत्व (पूर्व का एवं वर्तमान)। ग्रामीण भारत में गुट एवं गुटबाजी। भारत में प्रभु जाति। उभरता ग्रामीण नेतृत्व और विकास।

इकाई-5

ग्रामीण समस्याएँ : ग्रामीण निर्धनता, भूमिहीन मजदूर, अस्पृश्यता, लोगों का प्रवजन (प्रवास)।

नया सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम. ए. (पूर्वार्द्ध): समाजशास्त्र

सेमेस्टर- I

नियमित विद्यार्थियों हेतु-

भारत में नगरीय समाज

(पाठ्यक्रम का हिन्दी अनुवाद)

इकाई-1 **नगरीय समाजशास्त्र-**

(अ) नगरीय समाजशास्त्र की अवधारणा एवं नगरीय समाज का महत्व।

(ब) नगरीय समुदाय एवं स्थान सम्बन्धी आयाम।

(स) परिवर्तित नगरीय समाज।

इकाई-2 **भारत में नगरीय समाज-**

(अ) भारत में नगरीय समाज।

(ब) नगरीयकरण के उभरते प्रतिमान एवं कारक।

इकाई-3 (अ) नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण- नगर एवं कस्बा।

(ब) भारतीय नगर एवं उनका विकास।

इकाई-4 **नगरीय सामाजिक संरचना एवं समस्याएँ-**

(अ) परिवर्तित व्यावसायिक संरचना और सामाजिक स्तरीकरण पर उसका प्रभाव परिवार, जाति एवं वर्ग।

(ब) प्रवास एवं निर्धनता।

(स) नगरीय पर्यावरणीय समस्याएँ।

इकाई-5 **नगर नियोजन-**

(अ) नगर नियोजन को प्रभावित करने वाले कारक।

(ब) नगर नियोजन- अर्थ एवं एजेंसियाँ।

(स) भारत में नगरीय सम्बन्धी की समस्याएँ।

M.A. IInd Sem. Sociology

प्रथम प्रश्न पत्र—शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परंपरा

Unit 1- औद्योगिक क्रांति का प्रभाव तथा समाज एवं अर्थव्यवस्था में उत्पादन की नई विधियां, अगस्त काम्टे– स्थितिशास्त्र एवं गतिशास्त्र का अध्ययन, चिन्तन की तीन अवस्थाओं का नियम, प्रत्यक्षवाद, मानवता का धर्म।

Unit 2- मार्क्स का पूंजीवाद के उद्‌भव एवं विकास का विश्लेषण, शोषण एवं अतिरिक्त मूल्य की अवधारणा, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष की धारणा, पूंजीवाद का भविष्य, समाज में पूंजीवाद का घटना, विचारधारा की अवधारणा, विचारधारा आधिसंरचना के एक भाग के रुप में।

Unit 3- इमाइल दुर्खीभ– आत्महत्या का सिद्धांत, इमाइल दुर्खीभ का पद्धतिशास्त्र, धर्म का सिद्धांत, धर्म के सिद्धांत में पवित्र एवं पवित्र की अवधारणा, धार्मिक कृत्य (अनुष्ठान) उसके प्रकार, धर्म के सामाजिक प्रकार्य।

Unit 4- मेक्स वेबर– नौकरशाही का सिद्धांत, आधुनिक नौकरशाही का उद्‌भव एवं विकास, आदर्श प्रारुप का सिद्धांत, पद (स्थिति) की अवधारणा, शक्ति एवं वर्ग, समाज विज्ञान और पद्धतिशास्त्र, वर्स्टहेन (समाज व्यवहार) एवं आदर्श प्रारुप।

Unit 5- विलफ्रेडो परेटो बौद्धिक पृष्ठभूमि, पद्धतिशास्त्र का संकल्पना (अवधारणा), तार्किक प्रयोगात्मक पद्धति, तार्किक एवं अतार्किक क्रियाओं का वर्गीकरण, आर्थिक एवं अतार्किक क्रियाओं की व्याख्या (स्पष्टीकरण), अवशेष एवं प्रत्युत्पाद (Derivalion) का सिद्धांत, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत, अभिजात वर्ग का परिभ्रमण।

———000———

M.A. IInd Sem. Sociology

द्वितीय प्रश्न पत्र– सामाजिक अनुसंधान का पद्धतिशास्त्र

Unit 1- परिमाणात्मक विधियाँ एवं अनुसंधान सर्वेक्षण, परिमाणन की कल्पना एवं माप, सर्वेक्षण की प्रविधियां, सर्वेक्षण की परिसीमाएँ।

Unit 2- निदर्शन (प्रतिदर्श) अभिकल्प, प्रश्नावली निर्माण, साक्षात्कार, अनुसूची, माप एवं अनुमापन (पैमाना)।

Unit 3- व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति, अंतर्वस्तु विश्लेषण, जीवन इतिहास, समाजमिति, पैनल अध्ययन।

Unit 4- सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी, केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, माध्य माध्यिका भूयिष्ठक, अपकिरण के माप, प्रमाप विचलन, माध्य विचलन, परिमाणात्मक विचलन।

Unit 5- सहसंबंध विश्लेषण, समंको का चित्रमय प्रदर्शन, दत्तों (Data) का आरेखीय एवं लेखा चित्रीय (Graphic), बिन्दुरेखीय प्रस्तुतीकरण, सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी का प्रयोग उसका महत्व एवं सीमाएं, सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर का प्रयोग।

———000———

M.A. IInd Sem. Sociology

तृतीय प्रश्न पत्र– भारत में ग्रामीण समाज

Unit 1- ग्रामीण विकास– अर्थ एवं विशेषताएं, समाज में ग्रामीण विकास का महत्व, पंचायती राज व्यवस्था, 73 वें संविधान संशोधन के पूर्व एवं पश्चात् पंचायतीराज, मध्यप्रदेश में पंचायतीराज।

Unit 2- ग्राम पुनर्निर्माण एवं योजना, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, पंचवर्षीय योजनाएं, सहकारिता के प्रयास एवं सहयोग, स्व–सहायता समूह, लिंग एवं विकास।

Unit 3- ग्रामीण विकास के लिए रणनीतियां (चुनौतियां) एवं समस्याएं, ग्रामीण सामाजिक संरचना एवं संस्कृति, सामाजिक आर्थिक असमानता एवं विकास।

Unit 4- भारत में ग्रामीण अध्ययन का महत्व, ग्रामीण समाज में हो रहे परिवर्तन, हरितक्रांति और सामाजिक परिवर्तन, ग्रामीण में तत्वों का परिवर्तित पहलू, प्रकार्यवाद, जन सशक्तिकरण।

Unit 5- ग्रामीण भारत में सामाजिक परिवर्तन, संस्कृतिकरण, आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण (भूमण्डलीयकरण) एवं ग्रामीण भारत में सूचनाओं का प्रभाव, ग्रामीण समाज के लिए नियोजित परिवर्तन।

–––000–––

M.A. IInd Sem. Sociology

चतुर्थ प्रश्न पत्र– भारत में नगरीय समाज

Unit 1- सामाजिक स्तरीकरण– जाति, वर्ग, तथा लिंग और परिवार पर परिवर्तित व्यावसायिक संरचना एवं उसके प्रभाव।

Unit 2- भारतीय नगर एवं उनका विकास, महानगर, आवास और समस्याएं, गंदी बस्तियों का विकास, नगरीय पर्यावरण एवं समस्याएं, नगरीय गरीबी।

Unit 3- कस्बा एवं शहर के मध्य अंतर, महानगर, भारतीय नगरों का समाजशास्त्रीय अध्ययन, चंडीगढ, जयपुर एवं अहमदनगर।

Unit 4- नगरों की समस्याएं, गरीबी, अपराध्र, शराबखोरी (प्रवत्ति), नशाखोरी, प्रवर्जन, आवास की समस्या, पर्यावरण प्रदूषण।

Unit 5- भारतीय शहरों में नीतियां, भारतीय नगरों में शैक्षणिक केंद्र, जनसमूह (मीडिया) के कार्य, नगरीय केंद्रों में कम्प्यूटर।

–––000–––